No. of pages - 12 **(E)**

MOCK TEST 2016-2017

कक्षा : दसवीं

विषय : हिन्दी-ए

समय : 3 घंटे अंक : 90

सामान्य निर्देश:

1. *इस प्रश्नपत्र के चार खण्ड हैं – क, ख, ग और घ।*
2. *चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।*
3. *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए।*

****

(खण्ड-'क')

(अपठित बोध)

1. गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए – 5

यह संसार कर्मभूमि है। प्रकृति भी कर्म करती चल रही है। पृथ्वी, सूर्य और अन्य ग्रह अपना-अपना कर्म साध रहे हैं। कोई प्राणी ऐसा नहीं है जो कर्म न करता हो। आहार की तलाश करते फिरना, भरण-पोषण करना, सोना-जागना, चलना-फिरना, अपनी रक्षा करना आदि अनेक कर्म हैं जो संसार भर के जीव करते हैं। उनमें भी मनुष्य के लिए कर्म का विधान और प्रसार सबसे अधिक है। कर्म के बिना व्यक्ति, समाज या देश का गठन ही नष्ट हो जाएगा। मनुष्य के कर्महीन होते ही सृष्टि का विनाश निश्चित है।

(i) संसार को कर्मभूमि क्यों कहा गया है?

(क) सभी प्राणी कर्मशील हैं (ख) प्रकृति कर्म करती है

(ग) मनुष्य कर्म करता है (घ) कर्म से आहार प्राप्त होता है

(ii) पृथ्वी, सूर्य आदि का अस्तित्व इसलिए है क्योंकि -

(क) धरती घूमती है (ख) ये सभी अपना कर्म करते हैं

(ग) इनमें ऊर्जा है (घ) मानव इनकी पूजा करते हैं

(iii) सृष्टि का सबसे कर्मशील प्राणी किसे माना गया है -

(क) सूर्य को (ख) पृथ्वी को

(ग) समस्त ग्रहों को (घ) मनुष्य को

(iv) व्यक्ति, समाज और देश का गठन निर्भर है -

(क) पृथ्वी पर (ख) धन पर

(ग) कर्म पर (घ) शक्ति पर

(v) यदि मनुष्य अकर्मण्य हो जाए तो क्या परिणाम होगा?

(क) सृष्टि का विनाश हो जाएगा (ख) सूर्य की गति रूक जाएगी

(ग) मनुष्य निर्धन हो जाएगा (घ) सब बीमार हो जाएँगे

ATP Education.com

2. पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए - 5

यह मनुज संसार का सबसे सुरम्य प्रकाश,
कुछ छिपा सकते न जिससे भूमि या आकाश।
यह मनुज, जिसकी शिखा उद्दाम,
कर रहे जिसको चराचर भक्तियुक्त प्रणाम।
यह मनुज जो सृष्टि का शृंगार,
ज्ञान का, विज्ञान का, आलोक का आगार।
पर, सको सुन तो सुनो, मंगल जात के लोग!
तुम्हें छूने को रहा जो जीव कर उद्योग-
वह अभी पशु है; निरा पशु, हिंस्त्र, रक्त-पिपासु,
बुद्धि उसकी दानवी है स्थूल की जिज्ञासु।

(i) कवि ने सृष्टि का सबसे सुन्दर पकाश किसे कहा है?

(क) मनुष्य को (ख) सूर्य को

(ग) चन्द्र को (घ) तारों को

(ii) मनुष्य ने किसके सभी रहस्यों को जान लिया है?

(क) पृथ्वी के (ख) आकाश के

(ग) प्रकृति के (घ) पृथ्वी और आकाश दोनों के

(iii) आज सभी चराचर किसके समक्ष नतस्तक हैं -

(क) सूर्य के
(ख) ईश्वर के
(ग) मनुष्य के
(घ) देवताओं के

(iv) कवि ने 'पशु' शब्द का प्रयोग किया है -

(क) मनुष्यों के लिए
(ख) समस्त पशुओं के लिए
(ग) दानव के लिए
(घ) हिंसक लोगों के लिए

(v) कवि ने मानव की बुद्धि को 'दानवी' कहा है क्योंकि वह -

(क) वास्तव में दानव है
(ख) स्थूल जगत् के प्रति जिज्ञासु है
(ग) रक्त-पिपासु है
(घ) हिंसक है

3. गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए - 5

हर कोई चाहता है कि मुझे अपने काम में सफलता प्राप्त हो। प्रयत्न करता रहे तो वह सफल हो ही जाएगा। परंतु कभी-कभी ऐसे काम आ जाते हैं जो उसने कभी किये नहीं। डरता है कि कहीं लेने के देने न पड़ जाएं। ऐसे में साहस की आवश्यकता है - हिम्मत करे इंसान तो क्या हो नहीं सकता। मन की दक्षता अपार है। संकल्प में बड़ी शक्ति है। कायर व्यक्ति किसी काम को शुरू करने का साहस नहीं कर पाता। वह हर विघ्न-बाधा से डरता है। वह साहस नहीं बटोर पाता। लेकिन साहसी व्यक्ति काम को पूरा करने के लिए दिन-रात एक कर देगा। कठिनाईयाँ आयेंगी, विरोध भी होगा। कभी काम रूक भी जाएगा, लेकिन वह हिम्मत नहीं हारेगा। अंततः उसे सिद्धि अवश्य प्राप्त होगी।

(i) मनुष्य कर्म की ओर प्रेरित क्यों होता है?

(क) जीवन में सफलता प्राप्ति हेतु (ख) धन कमाने के लिए

(ग) यश-प्राप्ति हेतु (घ) मानसिक शान्ति के लिए

(ii) मनुष्य नये काम के प्रति उत्साहित क्यों नहीं हो पाता?

(क) नये काम में आनन्द नहीं आता (ख) धन की कमी के कारण

(ग) साहस के अभाव के कारण (घ) प्रेरणा के अभाव के कारण

(iii) कायर व्यक्ति विचार करने के बावजूद कर्म की ओर प्रेरित नहीं हो पाता क्योंकि वह -

(क) विघ्न-बाधा से डरता है (ख) कार्य में निपुण नहीं होता है

(ग) कमज़ोर होता है (घ) कर्म करना ही नहीं चाहता

(iv) साहसपूर्ण कार्य के लिए आवश्यक है -

(क) साहस (ख) संकल्प-शक्ति

(ग) धन (घ) बुद्धिमत्ता

(v) सिद्धि उसे प्राप्त होती है जो -

(क) परिश्रम करता है

(ख) धनी होता है

(ग) बुद्धिमान होता

(घ) साहस एवं संकल्प के साथ आगे बढ़ता है

4. पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **सही विकल्प** चुनकर दीजिए - **5**

ओ निराकार और असीम की पूजा करने वाले!

आकार की अवज्ञा मत करो।

आकार में जो बसता है,

वह ईश्वर है।

प्रत्येक ससीम के भीतर

गंभीर असीम का वास है।

अपनी विशुद्ध, आनन्दमय आत्मा को

आवरण में डाले हुए

ससीम के भीतर असीम छुपा है।

अपनी दुरूह अशब्दता के हृदय में

आकार परमेश्वर के रहस्य की

महिमा को छिपाये हुए है।

आकार निस्सीमता का चमत्कार-कुटीर है।

(i) कवि ने निराकार और असीम किसे कहा ह?

(क) मानव को (ख) ईश्वर को

(ग) प्रकृति को (घ) आकाश को

ATP Education.com

(ii) कवि आकार की अवज्ञा को क्यों मना करता है?

(क) आकाश में ईश्वर का वास है

(ख) आकार को ईश्वर ने बनाया है

(ग) आकार ही सृष्टि है

(घ) आकार कवि स्वयं है

(iii) ईश्वर कहाँ बसता है?

(क) मन्दिर में (ख) मस्जिद में

(ग) प्रत्येक पूजागृह में (घ) आकार में

(iv) आकार ने अपने अन्दर छुपा रखा है –

(क) प्रकृति के रहस्य को

(ख) ज्ञान को

(ग) महत्त्वाकांक्षा को

(घ) ईश्वर के रहस्य की महिमा को

(v) 'कुटीर' शब्द का क्या अर्थ है?

(क) घर (ख) कुटिया

(ग) महल (घ) स्वर्ग

ATP Education.com

(खण्ड-'ख')
(व्यावहारिक व्याकरण)

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए - 4

(i) प्रसाद ने 'कामायनी' लिखी है (कर्मवाच्य)

(ii) वृद्ध से चला नहीं जाता (कर्तृवाच्य)

(iii) मैं ज़ोर से नहीं बोल सकता (भाववाच्य)

(iv) सचिन तेंदुलकर को 'क्रिकेट का भगवान' कहते हैं (कर्मवाच्य)

6. निम्नलिखित वाक्यों में वाच्य पहचानकर लिखिए - 3

(i) क्या हम साथ चलेंगे?

(ii) हमसे इतनी दूर नहीं जाया जाता।

(iii) गायकों द्वारा गीत प्रस्तुत किया गया।

7. (i) 'वीर' रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 4

(ii) 'श्रृंगार' एवं 'रौद्र' रस का स्थायीभाव लिखिए।

8. निम्नलिखित पंक्तियों में रस पहचानकर लिखिए - 4

(i) मैं सत्य कहता हूँ सखे! सुकुमार मत जानो मुझे।
यमराज से भी युद्ध में प्रस्तुत सदा मानो मुझे।
है और की तो बात ही क्या, गर्व मैं करता नहीं।
मामा तथा निज तात से भी समर में डरता नहीं।।

ATP Education.com

(ii) इहाँ उहाँ दुइ बालक देखा। मति भ्रम मोरि कि आन बिसेखा।
तन पुलकित मुख वचन न आवा। नयन मूँदि चरननि सिर नावा।।

(iii) जथा पंख बिनु खग अति दीना। मनि बिनु फनि करिबर को हीना।
अस मम जिवन बन्धु बिनु तोही। जौ जड़ दैव जियावइ मोही।।

(iv) मधुमय वसंत जीवन-वन के, वह अंतरिक्ष की लहरों में,
कब आये थे तुम चुपके से रजनी के पिछले पहरों में?

(खण्ड-'ग')
(पाठ्यपुस्तक)

9. गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -2+2+1=5

शहनाई की इसी मंगलध्वनि के नायक बिस्मिल्ला खाँ साहब अस्सी बरस से सुर माँग रहे हैं। सच्चे सुर की नेमत। अस्सी बरस से पाँचों वक्त वाली नमाज़ इसी सुर को पाने की प्रार्थना में खर्च हो जाती है। लाखों सज़दे, इसी एक सच्चे सुर की इबादत में खुदा के आगे झुकते हैं। वे नमाज़ के बाद सज़दे में गिड़गिड़ाते हैं - 'मेरे मालिक एक सुर बख्श दे। सुर में वह तासीर पैदा कर कि आँखों से सच्चे मोती की तरह अनगढ़ आँसू निकल आएँ।' उनको यकीन हैं, कभी खुदा यूँ ही उन पर मेहरबान होगा और अपनी झोली से सुर का फल निकालकर उनकी ओर उछालेगा, फिर कहेगा, ले जा अमीरुद्दीन इसका खा ले और कर ले अपनी मुराद पूरी।

(i) बिस्मिल्ला खाँ नमाज़ के बाद सज़दे में क्या माँगते थे?

(ii) बिस्मिल्ला खाँ को किस बात का विश्वास था?

(iii) उपर्युक्त गद्यांश किस पाठ से लिया गया है? लेखक का नाम लिखिए।

ATP Education.com

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2x5=10

(i) लेखिका की अपने पिता से वैचारिक टकराहट को अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर लेखिका की माँ के स्वभाव पर प्रकाश डालिए।

(iii) कुछ पुरातनपन्थी लोग स्त्रियों की शिक्षा के विरोधी थे। द्विवेदी जी ने क्या-क्या तर्क देकर स्त्री-शिक्षा का समर्थन किया?

(iv) महावीर प्रसाद द्विवेदी का निबंध उनकी दूरगामी एवं खुली सोच का परिचायक है, कैसे?

(v) सुषिर वाद्यों से क्या अभिप्राय है? शहनाई को 'सुषिर वाद्यों में शाह' की उपाधि क्यों दी गयी होगी?

11. काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -2+2+1=5

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं,
देह सुखी हो पर मन के दु:ख का अन्त नहीं।
दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,
क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?
जो न मिला भूल उसे कर तू भविष्य वरण,
छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।

(i) देह सुखी होने पर भी मन के दु:ख का अन्त क्यों नहीं है?

(ii) 'दुख है न चाँद खिला, शरद रात आने पर' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(iii) उपर्युक्त पद्यांश किस पाठ से लिया गया है? कवि का नाम लिखिए।

ATP Education.com

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2x5=10

(i) लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या-क्या विशेषताएँ बताईं?

(ii) 'साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है' - इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(iii) मृगतृष्णा किसे कहते हैं? कविता में इसका प्रयोग किस अर्थ में हुआ है?

(iv) माँ को अपनी बेटी 'अंतिम पूँजी' क्यों लग रही थी?

(v) माँ ने बेटी को क्या-क्या सीख दी?

13. देश की सीमा पर तैनात भारतीय सैनिक अनेक प्रकार की समस्याओं से जूझते हैं। उनके प्रति हमारा क्या उत्तरदायित्व होना चाहिए? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के उल्लेख के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 5

खण्ड-'घ'

(लेखन)

14. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 250 शब्दों में एक निबन्ध लिखिए - 10

(i) मेरा प्रिय कवि

(क) प्रस्तावना

(ख) कवि का नाम एवं सामान्य परिचय

(ग) प्रिय होने का कारण

(घ) उपसंहार

(ii) राष्ट्रभाषा हिन्दी

(क) प्रस्तावना

(ख) राष्ट्रभाषा का अर्थ एवं विशेषताएँ

(ग) राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी की स्थिति

(घ) उपसंहार

(iii) महानगरीय प्रदूषण

(क) प्रस्तावना

(ख) महानगरीय प्रदूषण के कारण

(ग) निवारण के उपाय

(घ) उपसंहार

15. आगामी वार्षिक परीक्षा हेतु अपने मित्र को एक शुभकामना-पत्र लिखिए। 5

16. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसका सार लिखिए - 5

अपनी सभ्यता का जब मैं अवलोकन करता हूँ तब लोगों को काम के सम्बन्ध में उनकी विचारधारा के अनुसार विभाजित करने लगता हूँ। एक वर्ग में वे लोग आते हैं जो काम को उस आवश्यकता के रूप में देखते हैं जिसका उद्देश्य मात्र धन प्राप्त करना है। काम के प्रति अपना सर्वोत्तम देने का विचार वे कभी नहीं करते क्योंकि आमदनी के लिए ही उन्हें काम की आवश्यकता है। दूसरे वर्ग के लोग अपने काम का आनन्द और आत्मपरितोष पाने के लिए एक सुयोग के रूप में देखते हैं। वे धन इसलिए कमाना चाहते हैं कि अपने काम में अधिक एकनिष्ठता के साथ समर्पित हो सकें। जिस काम में वे संलग्न होत हैं उसकी पूजा करते हैं।

ATP Education.com